

भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
उच्चतर शिक्षा विभाग

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-2761
उत्तर देने की तारीख-12/08/2026

विद्यालयी पाठ्यक्रम और प्रतियोगी परीक्षाओं के बीच असंगति

2761 श्री सतनाम सिंह संधू:

क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या सरकार ने विद्यालयी पाठ्यक्रम तथा जेईई, नीट एवं सीयूईटी जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं के बीच पाई गई कथित असंगति की जांच की है;
- (ख) एनसीईआरटी तथा बोर्ड पाठ्यक्रम को इन परीक्षाओं की विश्लेषणात्मक तथा संकल्पनात्मक आवश्यकताओं के अनुरूप बनाने हेतु क्या कदम प्रस्तावित हैं;
- (ग) इस प्रकार के तालमेल को सुनिश्चित करने में एनसीईआरटी, सीबीएसई तथा एनटीए की क्या भूमिका परिकल्पित की गई है; और
- (घ) इन सुधारों को कार्यान्वित करने हेतु क्या समय-सीमा निर्धारित है?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(डॉ. सुकान्त मजूमदार)

(क) से (घ): राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (एनईपी 2020) में योग्यता-आधारित अधिगम, आलोचनात्मक सोच, रचनात्मकता, संचार, सहकार्यता, समस्या-समाधान, अनुभवात्मक शिक्षा, कौशल प्रदर्शन, बहुभाषी शिक्षा, डिजिटल साक्षरता, वैज्ञानिक स्वभाव, नैतिक तर्क और शिक्षार्थियों के समग्र विकास पर बल देकर स्कूल शिक्षा को बदलने के लिए समग्र दृष्टिकोण प्रदान किया गया है। सरकार एनईपी, 2020 के प्रावधानों को कार्यान्वित कर रही है, जिसमें पाठ्यचर्या विषय-वस्तु को उसके मूल तत्वों तक कम करने और योग्यता-आधारित, अनुभवात्मक और वैचारिक अधिगम को बढ़ावा देने की परिकल्पना की गई है। एनईपी, 2020 के अनुसरण में, स्कूल शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (एनसीएफ-एसई), 2023 तैयार की गई है। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा,

स्कूल पाठ्यक्रमा और पाठ्यपुस्तकों के विकास के लिए उत्तरदायी है। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) अपनी पाठ्यचर्या और मूल्यांकन रूपरेखा को राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा के अनुरूप बनाता है। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) संबंधित अधिकारियों द्वारा अधिसूचित परीक्षा योजना और पात्रता मानदंडों के अनुसार प्रवेश परीक्षा आयोजित करती है।

एनसीईआरटी ने यह सुनिश्चित करने के लिए कई कदम उठाए हैं कि स्कूल पाठ्यचर्या भारतीय मूल्यों, संवैधानिक आदर्शों और स्थानीय संदर्भों से जुड़ा रहे और साथ ही अर्थव्यवस्था की भावी आवश्यकताओं, उभरती ज्ञान प्रणालियाँ, तकनीकी विकास और वैश्विक दृष्टिकोण के लिए प्रासंगिक बना रहे। अद्यतन पाठ्यचर्या और पाठ्यपुस्तकें योग्यता-आधारित शिक्षा, अवधारणाओं की समझ, ज्ञान का अनुप्रयोग, पूछताछ-आधारित शिक्षा, अंतर:विषयक दृष्टिकोण और जीवन कौशल पर बल देती हैं। इनका उद्देश्य शिक्षार्थियों को बदलते नियोजन पद्धति, तकनीकी प्रगति, दीर्घकालिक चिंताओं, लोकतांत्रिक भागीदारी और वैश्विक अंतर्संबंध सहित भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करना है।

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) संबंधित अधिकारियों द्वारा अधिसूचित निर्धारित परीक्षा योजना और पाठ्यक्रम के अनुसार जेईई (मेन), नीट (यूजी) और सीयूईटी (यूजी) जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं का आयोजन करती है। पाठ्यक्रम को राष्ट्रीय और राज्य बोर्डों में वरिष्ठ माध्यमिक पाठ्यचर्या को व्यापक रूप से परिलक्षित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है ताकि एक समान अवसर और विविध शैक्षिक पृष्ठभूमि के उम्मीदवारों का समतापूर्ण मूल्यांकन सुनिश्चित किया जा सके।

उच्चतर शिक्षा विभाग ने छात्रों के लिए एक ऑनलाइन मूल्यांकन मॉड्यूल प्रदान करने के साथ-साथ जेईई और नीट जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए उच्च गुणवत्ता वाली सामग्री नि:शुल्क प्रदान करने के लिए एक साथी प्लेटफॉर्म शुरू किया है। यह वितरण हेतु वेब प्लेटफॉर्म, मोबाइल एप्लिकेशन, यूट्यूब लाइव सत्र और डीटीएच चैनलों का उपयोग करता है। शिक्षार्थियों के लिए क्यूरेटेड शिक्षण सामग्री के 15,000 से अधिक + बहुभाषी वीडियो व्याख्यान विभिन्न शीर्षक और विषयों में उपलब्ध है। अब तक, 21.5 लाख से अधिक छात्र पंजीकृत हैं और 400 सलाहकार (आईआईटी, एम्स आदि से) प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध हैं।
